

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala

Date: 03-07-2024

मोटे अनाज पर शोध के लिए डीएसटी से मिला 94 लाख का अनुदान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनीता कुमारी को विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत मोटे अनाज पर शोध के लिए 94 लाख रुपये का अनुदान मिला है।

युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए होगी महत्वपूर्ण भूमिका

जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा

और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा।

डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन केंद्रित अनुसंधान व विकास परियोजना के लिए हकेवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक व सहआचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। डॉ. अनीता कुमारी ने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से

डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है, जिसका बड़े पैमाने पर समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृत परियोजना के मुख्य आकर्षण में स्थानीय आवादी के बीच ऑन और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित तकनीक का प्रसार शामिल हैं। यह कौशल विकास, रोजगार सृजन और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए नियमित आहार में शामिल करने के लिए मोटा अनाज को लोकप्रिय बनाने में सहायता करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 03-07-2024

मोटा अनाज पर शोध के लिए केंवि वि को डीएसटी से मिला ₹94 लाख का अनुदान

महेंद्रगढ़ | हर्केवि, महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनिता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध हेतु 94 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य हेतु एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और सहकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने परियोजना टीम को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी। डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए 'मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन' केंद्रित अनुसंधान एवं विकास परियोजना हेतु हर्केवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सहआचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna

Date: 03-07-2024

हकेवि संकाय सदस्य को मोटा अनाज पर शोध हेतु डीएसटी से मिला अनुदान

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनिता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध हेतु 94 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य हेतु एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.



टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो.

पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी। डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए 'मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन' केंद्रित अनुसंधान एवं विकास परियोजना हेतु हकेवि के पोषण जीवविज्ञान

विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सहआचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है, जिसका बड़े पैमाने पर समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृत परियोजना के मुख्य आकर्षण में स्थानीय आबादी के बीच ऑन और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित तकनीक का प्रसार शामिल है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 03-07-2024

हर्केवि संकाय सदस्य को मोटा अनाज पर शोध के लिए डीएसटी से मिला अनुदान

संवाद सहयोगी, जामरग, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डा. अनिता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध के लिए 94 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के

● 94 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है मोटा अनाज पर शोधकार्य के लिए

● डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाना है



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भवन © सी. प्रकाश

साथ-साथ इस शोध कार्य के लिए एनआइएफटीईएम-टी व जामिया

हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति

प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण जीवविज्ञान विभाग

के विभागाध्यक्ष प्रो. कौंति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी।

डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए 'मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन' केंद्रित अनुसंधान एवं विकास परियोजना हेतु हर्केवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सहआचार्य डा. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। डा. अनिता कुमारी ने बताया कि इस परियोजना के

माध्यम से डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है, जिसका बड़े पैमाने पर समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्विकृत परियोजना के मुख्य आकर्षण में स्थानीय आबादी के बीच आन और आफ-कैंपस प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित तकनीक का प्रसार शामिल है, जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए नियमित आहार में शामिल करने के लिए मोटा अनाज को लोकप्रिय बनाने में सहायता करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh

Date: 03-07-2024

हकेवि संकाय सदस्य को मोटा अनाज पर शोध हेतु डीएसटी से मिला अनुदान

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनिता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध हेतु 94 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य हेतु एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के

प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण

जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी। डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए 'मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन' केंद्रित अनुसंधान एवं विकास परियोजना हेतु हकेवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सहआचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि



इस परियोजना के माध्यम से डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है, जिसका बड़े पैमाने पर समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृत परियोजना के मुख्य आकर्षण में स्थानीय आबादी के बीच ऑन और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित तकनीक का प्रसार शामिल है, जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए नियमित आहार में शामिल करने के लिए मोटा अनाज को लोकप्रिय बनाने में सहायता करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi

Date: 03-07-2024

हर्केवि संकाय सदस्य को मोटा अनाज पर शोध के लिए डीएसटी से मिला अनुदान

हरिभूमि न्यूज ॥ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनीता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष-2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध के लिए 94 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य के लिए



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

फोटो : हरिभूमि

एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और

कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो.

पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी। डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन केंद्रित अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए हर्केवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सहआचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं।

Central University of Haryana

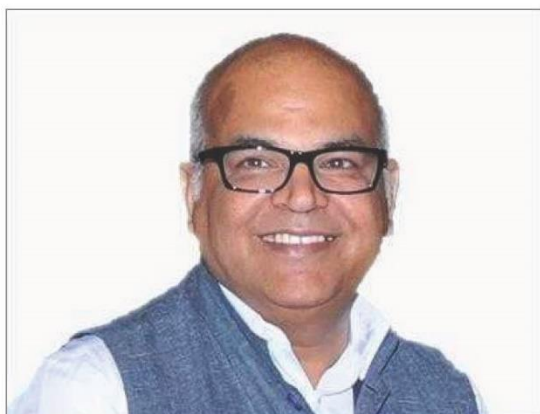
NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling

Date: 03-07-2024

CUH faculty receives fund from DST for research on Millets in consortium mode



MAHENDERGARH, 02.07.24-Department of Science and Technology (DST) under Science and Heritage Research Initiative (SHRI) cell has sanctioned funding for Rs. 94 lakhs (approximately) to undertake research on "Millets" under International Year of Millets -2023 in consortium mode wherein three premier institutes namely; Central University of Haryana, NIFTEM-T and Jamia Hamdard are involved.

The Vice -Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar and Pro-Vice-Chancellor, Prof. Sushma Yadav, congratulated the project team for receiving the research grant from DST, SHRI Cell and said that it will definitely boost the research activities in the university and provide the sustainable solutions for the management of non-communicable diseases among vulnerable section of the society. Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Pawan Kumar Sharma, Dean Research; Prof. Dinesh Kumar Gupta, Dean, SIAS and Prof. Kanti Prakash Sharma, Head, Nutrition Biology also congratulated the project team.



The DST has sanctioned the Research and Development project for the year 2023-24 entitled "Development of millets-based food products: Optimization, characterization and validation" to Department of Nutrition Biology, CUH. Dr. Anita Kumari, Assistant Professor is Principal Investigator and Dr. Ashwani Kumar, Associate Professor is Co-Principal Investigator of the project. The mandate of the funding agency is to play a pivotal role among young scientists to pursue innovative research ideas which have direct impact on the society at a large scale. The mandate of the sanctioned project is also to make collective efforts for the development of millets-based food products, its nutritional characterization and validation of developed products via. in-vitro, ex-vivo, and in-vivo studies. The project highlights involve dissemination of the developed technology among local population through on and off-campus trainings which will aid for skill development, employment generation and popularization of millets for inclusion in regular diet for the management of non-communicable diseases.

हकेवि संकाय सदस्य को मोटे अनाज पर शोध के लिए डीएसटी से मिला अनुदान

महेंद्रगढ़, 2 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनिता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध हेतु 94 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य हेतु एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है।

कुलपति टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश

कुमार गुप्ता और पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी।

डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए 'मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन' केंद्र अनुसंधान एवं विकास परियोजना हेतु हकेवि के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सह आचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है, जिसका बड़े पैमाने पर समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृत परियोजना के मुख्य आकर्षण में स्थानीय आबादी के बीच ऑन और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित तकनीक का प्रसार शामिल है, जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए नियमित आहार में शामिल करने के लिए मोटा अनाज को लोकप्रिय बनाने में सहायता करेगा।

